

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D-0805

**PAPER – III
COMMERCE**

[Maximum Marks : 200

Time : 2½ hours]

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
- There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

COMMERCE

वाणिज्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The concept of social responsibility is not new. Although the idea was already considered in the early part of the twentieth century, the modern discussion on social responsibility got a major impetus with the book "Social Responsibilities of Businessmen" by Howard R. Bowen, who suggested that businesses should consider the social implications of their decisions. As might be expected, there is no complete agreement on the definition. In a survey of 439 executives, 68 per cent of responding managers agreed with this definition : "Corporate social responsibility is seriously considering the impact of the company's actions on society." (John L. Paluszek)

A concept that is newer, but still very similar to social responsibility, is social responsiveness, which in simple terms means, "the ability of a corporation to relate its operations and policies to the social environment in ways that are mutually beneficial to the company and to society". (Keith Davis and William C. Fredrick)

Both definitions focus on corporations, but these concepts should be expanded (i) to include enterprises other than businesses, and (ii) to encompass relationships within an enterprise. The main difference between social responsibility and social responsiveness is that the latter implies actions and the "how" of enterprise responses. In this discussion, the terms will be used interchangeably.

सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा नई नहीं है। यद्यपि बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में इस पर पहले से ही विचार किया गया था, होवार्ड आर. बोवेन लिखित सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटीज आफ बिजनेसमैन शीर्षक पुस्तक के प्रकाशनोपरान्त सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित आधुनिक विचार विमर्श को प्रबल प्रोत्साहन मिला। इस पुस्तक में बोवेन ने यह सुझाव दिया कि उद्यमी को अपने निर्णयों के सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखना चाहिए। जैसा कि अपेक्षित है, इसकी परिभाषा पर पूर्ण सहमति नहीं है। 439 कार्यकारी पदाधिकारियों पर किए गये सर्वेक्षण में उत्तर देने वाले 68 प्रतिशत प्रबन्धकों ने इस परिभाषा से सहमति जताई : "समाज पर कंपनी के कार्यों के प्रभाव पर गम्भीरतापूर्वक विचार ही (कार्पोरेट) निगम सामाजिक उत्तरदायित्व को इंगित करता है"।

(जॉन. एल. पलुस्जेक)

सामाजिक प्रत्युत्तरता अपेक्षाकृत एक नवीन परन्तु सामाजिक दायित्व की अवधारणा से अत्यधिक मिलती-जुलती अवधारणा हैं जिसका सरल शब्दों में अभिप्राय है, “ अपनी संक्रियाओं और नीतियों को सामाजिक परिवेश से इस प्रकार से संबंधित करने की निगमों की योग्यता जो कम्पनी तथा समाज दोनों के लिए लाभकारी हो ” (कीथ डेविस तथा विलियम सी. फ्रेडरिक) दोनों परिभाषाएं निगमों पर केन्द्रित हैं लेकिन इन अवधारणाओं में निम्न विस्तार किया जाना चाहिए :

- (i) व्यवसायों के अतिरिक्त अन्य उद्यम को सम्मिलित करना चाहिए ।
- (ii) एक इकाई में आन्तरिक संबंध का भी समावेश करना चाहिए ।

सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामाजिक प्रत्युत्तरात्मकता के बीच यह मुख्य अन्तर है कि सामाजिक प्रत्युत्तरात्मकता में उद्यम के प्रत्युत्तरों के कार्य तथा ‘कैसे करें’ सन्निहित है । इस परिचर्या में इनका प्रयोग अन्तर परिवर्तनीय रूप में किया जायेगा ।

Based on the contents of the above para, answer the following questions :

उपरोक्त पैरा के सन्दर्भ में निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. How and when the concept of social responsibility got major impetus ?

सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा को कब और कैसे प्रबल प्रोत्साहन मिला ?

2. Is there complete agreement on definitions of social responsibility ?

क्या सामाजिक उत्तरदायित्व की परिभाषा पर पूर्ण सहमति बनी है?

3. What is the newer concept of social responsibility ?

सामाजिक उत्तरदायित्व की अपेक्षाकृत नवीन अवधारणा क्या है?

4. What is the main difference between social responsibility and social responsiveness ?
सामाजिक दायित्व तथा सामाजिक प्रत्युत्तरात्मकता अवधारणा में क्या अन्तर हैं?

5. What was the result of the survey of executives ?
कार्यकारी पदाधिकारियों के सर्वेक्षण का क्या परिणाम प्राप्त हुआ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. State the incentives offered for the development of small enterprises in the Union Budget 2005-06.

केन्द्रीय बजट 2005-06 में लघु उद्यमों के विकास के लिए दिये जाने वाले प्रोत्साहनों का उल्लेख करें

7. What are the main areas of reforms in the public sector ? Explain.
सार्वजनिक क्षेत्र में सुधार के मुख्य क्षेत्र कौन से हैं? समझाइये

8. What do you mean by financial leverage ?
वित्तीय-लिवरेज से आप क्या समझते हैं?

9. Define the term stock-split.

स्टॉक-विभाजन (स्प्लिट) की परिभाषा दें।

10. Define stagflation.

संस्फीति की परिभाषा दें।

11. Define price-leadership under oligopoly.

अल्पाधिकार के अन्तर्गत कीमत-नेतृत्व को परिभाषित करें।

12. In what kind of situations will you prefer secondary data ?

किन परिस्थितियों में आप द्वितीयक संमकों (डाटा) को प्राथमिकता देंगे ?

13. State three applications of chi-square test.

काई-स्क्वैयर टेस्ट के तीन अनुप्रयोगों का उल्लेख करें।

14. How does 'corporate governance' help in achieving the objectives of an organisation ?

एक संगठन के लक्ष्यों को पाने में कार्पोरेट गवर्नेंस किस प्रकार सहायक है?

15. Name different theories of motivation.

अभिप्रेरणा के विभिन्न सिद्धान्तों के नाम बताएं।

16. What is 'interest coverage' ratio ?

ब्याज-कवरेज (विस्तार) अनुपात क्या है?

17. State the reasons for 'material volume variance'.

'सामग्री-आकार विभिन्नता के कारण बताएं।

18. What is career planning strategy ?

कैरियर-नियोजन व्यवस्थापन क्या है?

19. Mention three major differences between commercial banks and co-operative banks.
वाणिज्यिक बैंकों तथा सहकारी बैंकों के बीच तीन प्रमुख अन्तर बताएं।

20. Define 'hedging'.
'हैजिंग' की परिभाषा दीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

(Accounting and Finance)

विकल्प – I

(लेखांकन तथा वित्त)

21. State the needs and importance of Human Resources Accounting in a large business organisation.

बड़े व्यवसाय संगठनों में मानव संसाधन लेखांकन की आवश्यकताएं एवं महत्व बताएं।

22. Differentiate between money market and capital market.

मुद्रा-बाजार तथा पूंजी-बाजार के मध्य अन्तर बताइये।

23. How do the venture capital funds help an entrepreneur ?

वैचर केपिटल-फण्डस् एक उद्यमी की सहायता कैसे करते हैं?

24. Explain the procedure of issuing GDRs.

जी.डी.आर. जारी करने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए?

25. Critically examine the achievements and failures of Accounting Standard Board in setting accounting standards.

लेखाकरण मानक के निर्माण में लेखाकरण मानक परिषद की उपलब्धियों तथा विफलताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

(Marketing)

विकल्प – II

(विपणन)

21. Explain the factors which you will take into consideration for market segmentation.
बाजार खण्डीकरण के लिए आप जिन तत्वों को ध्यान में रखेंगे उनकी व्याख्या करें।
22. Describe various pricing strategies a marketing manager can adopt to increase market share.
एक विपणन प्रबन्धक बाजार-शेयर वृद्धि हेतु कौनसी विभिन्न कीमत-व्यूहरचनाओं को अपनाएगा? विवरण दें।
23. What do you understand by distribution channel? What factors would help the manager in the choice of the channel?
वितरण चैनल से आप क्या समझते हैं? चैनल के चयन में प्रबन्धक के लिए कौन से तत्व सहायक होंगे?
24. What is market penetration? Discuss its implications with appropriate example.
बाजार-छेदन क्या है? उपयुक्त उदाहरण सहित इसके प्रभावों की चर्चा कीजिए।
25. Discuss the steps to be taken by the marketing manager for launching a new consumer product in the market.
बाजार में एक नया उपभोक्ता-उत्पाद लाने के लिए विपणन प्रबन्धक द्वारा उठाये जाने वाले कदमों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

Human Resource Management

विकल्प – III

(मानव संसाधन प्रबन्ध)

21. Differentiate between recruitment and selection. Explain the systems approach to selection of employees.
भर्ती तथा चयन में अन्तर स्पष्ट कीजिए। कर्मचारियों के चयन हेतु अपनायी जाने वाली सिस्टमस्-एप्रोच की व्याख्या कीजिए।

22. What is the difference between Training and Human Resource Development ? Why training is essential in a competitive world ?
प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन विकास में क्या अन्तर है? प्रतिस्पर्धात्मक विश्व में प्रशिक्षण क्यों अनिवार्य है?
23. Describe the performance appraisal process. Do you think that managers should also be subject to performance appraisal ?
कार्यक्षमता मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्णन करें। क्या आप सोचते हैं कि प्रबन्धकों को भी कार्यक्षमता मूल्यांकन से गुजरना चाहिए?
24. What is the need for co-operation between labour-unions and management ?
श्रम-संघों तथा प्रबन्धकों के मध्य सहयोग की क्या आवश्यकता है?
25. Examine the suitability of privatisation of pension funds.
पेंशन-फंड के निजीकरण की उपयुक्तता का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV
(International Business)

विकल्प – IV
(अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार)

21. "W.T.O. rules make life easier for all". Elucidate.
"डब्ल्यू.टी.ओ. नियम सभी के लिए जीवन को आसान बनाते हैं" – व्याख्या करें।
22. "Increased foreign trade means increased challenges to developing countries like India". Comment.
"बढ़ते हुए विदेशी व्यापार का अर्थ है भारत जैसे विकासशील देशों के लिए बढ़ती हुई चुनौतियाँ" – टिप्पणी करें
23. What are the implications of foreign currency crises on international business in underdeveloped countries ?
अल्पविकसित देशों में विदेशी मुद्रा संकट का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर क्या प्रभाव हो सकता है?

24. What do you mean by fixed and flexible rates of foreign exchange ? Explain factors causing fluctuations in exchange rates.

विदेशी विनिमय के स्थिर तथा परिवर्तनशील दर से आप क्या समझते हैं? विनिमय दर में उतार चढ़ाव के कारक तत्वों का वर्णन कीजिए।

25. Define 'exchange control'. Discuss the objectives and methods of exchange control.

विनिमय नियन्त्रण को परिभाषित कीजिए। विनिमय नियन्त्रण के उद्देश्यों और विधियों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

(Income-Tax Law and Tax Planning)

विकल्प – V

(आयकर तथा नियोजन)

21. How will you determine residential status of an individual ?

किसी व्यक्ति की आवासीय स्थिति का निर्धारण आप कैसे करेंगे?

22. How is taxable income computed ? How is tax liability calculated ?

करयोग्य आय की गणना कैसे की जाती है? कर-दायित्व की गणना कैसे की जाती है?

23. How will you treat housing loan in the computation of income tax ?

आयकर गणना के संदर्भ में गृह-ऋण पर कैसे विचार करेंगे?

24. What are the powers of the Central Board of Direct Taxes ?

सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज के अधिकारों का उल्लेख कीजिए।

25. How can a political party claim exemption under section 13 A of the Income Tax Act ?

आयकर अधिनियम के अनुच्छेद 13 A के अन्तर्गत एक राजनीतिक दल छूट का दावा कैसे कर सकता है?

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. State the objectives of corporate disclosure. Discuss the recent trends in the corporate disclosure with special reference to social reporting.

निगम प्रकटीकरण के उद्देश्य बताइए। सामाजिक रिपोर्टिंग के सन्दर्भ में निगम प्रकटीकरण की आधुनिक प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

“The business organisations in India operate in a fragmented market”. Comment what should a business organisation do to become a market leader in fast moving consumer goods (FMCG) market ?

भारत में व्यावसायिक संगठनों को विभक्ता बाजारों में कार्य करना होता है। तीव्र विचरित उपभोग वस्तु बाजार में बाजार नायक बनने के लिए व्यावसायिक संगठन को क्या करना चाहिए?

OR / अथवा

Discuss the main issues relating to financial sector reforms in India. Identify the future challenges in this regard.

भारत में वित्तीय क्षेत्र सुधारों के संबंध में मुख्य आयामों की चर्चा कीजिए। इस संबंध में भविष्य की चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date